

Mission Prerna UP- 2019-2020
एस०आर०जी० प्रदर्शन मानक व सूचक

एस०आर०जी० की भूमिका आगामी सालों में प्रदेश में लागू किए जा रहे समस्त शैक्षिक सुधार के प्रयासों में अपने जनपद में परिवर्तनकर्ता (एजुकेशन चेंज मेकर) के रूप में होगी। एसआरजी स्टेट और जिला के बीच लिंक और अकादमिक समन्वयन की भूमिका निभायेंगे। एसआरजी अपने ब्लॉक में शिक्षक के प्रदर्शन सुधार के लिए सपोर्टिव सुपरविजन का दायित्व निभायेंगे। इस के लिए उन्हें अपनी भूमिका और दायित्वों के निर्वहन के लिए स्वयं का न्यूनतम प्रदर्शन और योगदान बनाए रखना होगा। ये तीन प्रमुख दायित्व हैं,

- स्वयं एक अच्छा शिक्षक बने रहें।
- स्वयं उत्साहित रहें, दूसरों का भी उत्साह बनाए रखें।
- समस्या सुलझाने में मदद करें।

इन्हें ध्यान में रख कर एसआरजी के प्रदर्शन का आकलन हेतु नीचे दिए गए मानक विकसित किए गए हैं। इन मानकों के आधार पर विकसित सूचकों के जरिए वे स्वयं का भी आकलन करते रहेंगे।

1. अकादमिक समझ को व्यक्त कर पाते हैं और उसे अभ्यास में बदलते हैं।			
1.1 वांछनीय शिक्षण विधि व अकादमिक समझ को स्वयं कक्षा में क्रियान्वित कर पाते हैं।			
A	B	C	D
विविध परिस्थितियों के लिये, विशेष तौर पर वंचित बच्चों के लिये, तरह-तरह के नवाचार करते हैं ताकि सभी सीख सकें।	स्वयं कर पाते हैं, अन्य परिस्थितियों के लिये अपना पाते हैं, दूसरों को इस प्रकार समझा पाते हैं के वे उसे अपनाने के लिये राजी हो जायें।	अपनी कक्षा में कर पाते हैं लेकिन अन्य परिवेशों व परिस्थितियों के लिये अपना नहीं पाते।	रचनावादी शिक्षण पद्धति के अनुसार गतिविधियां बना नहीं पा रहे हैं या पूरी तरह कक्षा में उतार नहीं पा रहे हैं।
1.3 फाउंडेशनल लर्निंग के लिए निर्धारित करिकुलम, लर्निंग आउटकम और सामग्री के उपयोग में दक्ष हैं व उसे प्रभावी रूप से दूसरों तक पहुंचा सकते हैं।			
A	B	C	D
स्वयं तो अपेक्षित तरीकों व स्तर पर कर ही लेते हैं बल्कि दूसरों में स्वीकार्यता पैदा कर उनमें उस उम्र के बच्चों व फाउंडेशनल लर्निंग की विशेष आवश्यकताओं के अनुसार कार्य करने की स्वीकार्यता व क्षमता पैदा करते हैं।	लक्ष्यों, तरीकों, सामग्रियों व व्यवहारों में उस उम्र के बच्चों व फाउंडेशनल लर्निंग की विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप सामंजस्य है।	उपयुक्त अधिगम बिंदुओं व सामग्री का चयन तो कर लेते हैं लेकिन विधि को उपयुक्त तरीकों से उपयोग में नहीं ला पाते।	प्रारंभिक कक्षाओं में जिन विधियों, व्यवहार, सामग्री व अधिगम उद्देश्यों का चयन करते हैं, वे उस उम्र के बच्चों व फाउंडेशनल लर्निंग की विशेष आवश्यकताओं से मेल नहीं रखती हैं।
2. समता की समझ, व्यवहार और प्रैक्टिस का प्रदर्शन देते हैं।			
2.2 समुदाय और माता-पिता की भागीदारी को मूल्य देते हुए शिक्षकों व एस आर जी को उसे सुनिश्चित करने के लिये तैयार करते हैं।			
A	B	C	D
उनके कार्य में झलकता है कि वे समुदाय को अधिकार-धारक व अपने आप के दायित्व-धारक मानते हैं, तथा समुदाय के ज्ञान के भंडार के आधार पर उनसे शैक्षिक साझेदारी करते हैं।	कोशिश करते हैं कि स्कूल व शिक्षक कदम उठावें ताकि बच्चों के हित में समुदाय व माता-पिता के साथ साझेदारी हो, व स्कूल के विकास के निर्णय एस एम सी के साथ मिल कर लिये जाते हैं।	कोशिश करते हैं कि समुदाय व माता-पिता स्कूल व शिक्षकों के सहायता करने के लिये कदम उठावें, व एस एम सी स्कूल को सहयोग दे।	समुदाय व माता-पिता की भागीदारी के लिये कोई विशेष प्रयास नहीं करते।

3. कुशल शिक्षक और प्रशिक्षक के रूप में प्रभावशाली कार्य करते हैं।			
3.1 प्रशिक्षण व संप्रेषण के तरीकों का कुशलता से प्रयोग करते हैं।			
A	B	C	D
जिज्ञासा पैदा कर विविध तरीकों का विभिन्न परिस्थितियों में प्रभावशाली उपयोग कर दूसरों को कुशल बना पाते हैं।	सामान्य प्रशिक्षणों में उपयुक्त समझ को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत कर पाते हैं ताकि दूसरे भी समझ विकसित कर पायें	अपनी कक्षा में कर पाने की वजह से शैक्षणिक समझ तो स्पष्ट है लेकिन दूसरों तक पहुंचाने के तरीके कमजोर हैं।	समझ सैद्धांतिक अधिक और व्यवहारिक कम है, व तरीके सीमित हैं।
4. सपोर्टिव मेंटर के रूप में एआरजी का समर्थन करते हैं।			
4.1 अलग-अलग स्तरों पर हो रही शैक्षिक प्रक्रियाओं पर दूसरों से गहराई में जानकारी ले पाते हैं तथा सकारात्मक फीडबैक दे पाते हैं।			
A	B	C	D
ए०आर०पी० और शिक्षकों को विभिन्न सवालों के जरिए अपने अनुभव साझा करने का समय देते हैं। उनके अनुभवों के मुख्य बिंदु स्पष्ट करते हैं, उदाहरण सहित फीडबैक देते हैं और उनमें यह कुशलता विकसित करते हैं।	ए०आर०पी० और शिक्षकों को धैर्यपूर्वक सुनते हैं, सवालों के लिए प्रोत्साहित करते हैं और उदाहरण सहित फीडबैक दे पाते हैं जिसे वे स्वीकार करते हैं।	ए०आर०पी० और शिक्षकों से उनके काम के बारे में पूछताछ करते हैं। अपनी ओर से सुझाव और कार्य देते हैं।	ए०आर०पी० या शिक्षकों से मिल कर उन्हें निर्देश देते हैं। उनके बारे में निराशापूर्ण टिप्पणियाँ करते हैं।
5. सहयोगात्मक नेतृत्व और समन्वयन कौशल के आधार पर लक्ष्य हासिल करने में सबको जोड़ते हैं।			
5.1 सहयोगात्मक रूप से सभी को जोड़ कर उनकी सहभागिता सुनिश्चित कर पाते हैं			
A	B	C	D
हर स्तर पर बराबरी के सम्बंध हैं। ए०आर०पी० तथा शिक्षकों से शैक्षिक गुणवत्ता समवर्धन की दृष्टि से सबकी सहभागिता सुनिश्चित करते हैं और स्वयं भी सहयोग करते हैं।	सभी से एक समान व्यवहार करते हैं। ए०आर०पी० तथा शिक्षकों से शैक्षिक गुणवत्ता समवर्धन की दृष्टि से सबकी सहभागिता का प्रयास करते हैं और स्वयं भी सहयोग करते हैं।	कुछ परिचित ए०आर०पी० और शिक्षकों से अधिक सहभागिता की अपेक्षा करते हैं। सभी शिक्षकों और ए०आर०पी० तक पहुँच नहीं है। इनसे सूचनाओं और कार्यक्रमों के लिए सहभागिता लेते हैं।	सम्बंध बनाने में सक्षम हैं। कुछ ए०आर०पी० और कुछ शिक्षकों से अच्छे सम्बंध हैं पर वे हालचाल तक सीमित हैं।
6. डाटा का उपयोग करके निर्णय और प्रमाण आधारित एक्शन लेते हैं।			
6.1 छात्रों के सीखने के डेटा के विश्लेषण के आधार पर कक्षा, स्कूल, ब्लॉक व जनपद स्तर पर लिये जाने वाले कदमों की पहचान कर सकते हैं।			
A	B	C	D
बच्चों के आंकलन के डेटा को विश्लेषित कर पाते हैं कि किन फोकल आउटकम में अधिकांश बच्चे पिछड़ रहे हैं। उसके अनुरूप विविध परिस्थितियों के लिए, खासकर वंचित बच्चों के लिए व्यावहारिक इनपुट दे पाते हैं और ए०आर०पी० में यह क्षमता विकसित करते हैं।	बच्चों के आंकलन के डेटा को विश्लेषित कर पाते हैं कि किन फोकल आउटकम में अधिकांश बच्चे पिछड़ रहे हैं और उसके अनुरूप ए०आर०पी० को व्यावहारिक इनपुट दे पाते हैं। ए०आर०पी० में यह क्षमता विकसित करने की कोशिश करते हैं।	बच्चों के आंकलन का डेटा देखकर अधिकांश बच्चे किन फोकल आउटकम पर अच्छा नहीं कर पा रहे की पहचान है लेकिन उसके अनुरूप व्यावहारिक इनपुट नहीं दे पाते।	कभी-कभार बच्चों के आंकलन का डेटा देखते हैं परंतु उसका विश्लेषण नहीं करते, न ही उसका कोई उपयोग किया जाता है।
6.2 शिक्षकों व ए आर जी के प्रदर्शन डेटा के विश्लेषण के आधार पर कक्षा, स्कूल, ब्लॉक व जनपद स्तर पर लिये जाने वाले			

कदमों की पहचान कर सकते हैं।			
A	B	C	D
संकलित और विश्लेषित डेटा के आधार पर विविध स्तर के लिए ए०आर०पी० के साथ सुधार योजना बनाते हैं, लागू करते हैं। उसका नियमित फॉलो-उप भी करते हैं।	प्रदर्शन मानक डेटा का संकलन करते हैं। विश्लेषण का प्रयास भी करते हैं। ए०आर०पी० के साथ योजना बना कर लागू करने की कोशिश करते हैं।	प्रदर्शन मानक डेटा का कुछ ही स्कूलों या क्षेत्र से संकलन करते हैं। उसका विश्लेषण नहीं किया जाता।	शिक्षक व ए०आर०पी० स्तर के प्रदर्शन मानक का डेटा संकलन नहीं करते।
7. एस०आर०जी० सदस्य के रूप में सतत स्वविकास करते रहते हैं।			
7.1 एस०आर०जी० सदस्य के रूप में स्वयं के विकास को ले कर सजग हैं और सतत कदम उठाते रहते हैं।			
A	B	C	D
अपने सीखने के लक्ष्य और समयबद्ध योजना बनाते हैं। इसके लिए विविध स्रोतों से अपना सीखते रहना सुनिश्चित करते हैं और दूसरों को भी प्रोत्साहित करते हैं।	अपने सीखने के लक्ष्य और समयबद्ध योजना बनाते हैं और उनके आधार पर विविध स्रोतों से सीखते रहने का प्रयास करते हैं।	एस०आर०जी० की भूमिका, दायित्व और कार्यों को पूर्ण करने हेतु प्रयास करते हैं किंतु अपने सीखने के लक्ष्य और योजना नहीं बनाते।	एस०आर०जी० की भूमिका, दायित्व और कार्यों की कुछ समझ है लेकिन उन्हें पूर्ण करने हेतु समयबद्ध योजना बनाने का प्रयास नहीं करते।